Publication : Mahamedha **Region :** New Delhi

Date : Dec 08, 2010

'भविष्य का स्कूल कैसा हो' विषयक संगोष्ठी आयोजित

नई दिल्ली (ए)। क्या भविष्य में ऐसे स्कूलों की कल्पना की जा सकती है जहां शिक्षक छात्रों को पढ़ाने नहीं आते हों और जो आते हैं उन्हें पढ़ाना नहीं आता तथा जिन्हें पढ़ाना आता है वे पढ़ाना नहीं चाहते हों। शायद नहीं। राजधानी में मंगलवार को 'स्कूल ऑफ टुमारो' यानी 'भविष्य के स्कूल' विषय पर एक संगोष्ठी आयोजित की गई, जिनमें कई जानेमाने शिक्षाविदों ने भाग लिया। संगोष्ठी में वक्ताओं ने शिक्षकों के प्रशिक्षण तथा उन्हें नवीन शिक्षा पद्धति से अवगत कराने तथा स्कूली पाठ्यक्रमों में व्यापक परिवर्तन लाने की मांग की। संगोष्ठी के लिए पूर्व राष्ट्रपति एपीजे कलाम ने अपना संदेश भी दिया जिसमें उन्होंने देश को बौद्धिक महाशक्ति बनाने के लिए प्रत्येक नागरिक को शिक्षित बनाने तथा बच्चों में मानवीय गुण, व्यवहार सिखाने पर बल दिया।